Industrial City : Jamshedpur

When Lord Chelmsford renamed the small village called Sakchi in 1919, little did he realise that he was creating an exemplary word-class city that even today sets the pace for sustainable urban development. Jamshedpur completes 100 years since its renaming and it continues to be recognised as the place where India's first steel plant was set up. The founder, Jamsetji Nusserwanji Tata, dreamt of an industrialised and prosperous India. Five years before the site of the steel plant was finally located, he wrote to his son Dorab of what his dream city should look like. This is what he envisioned:

Be sure to lay wide streets planted with shady trees, every other of a quick-growing variety. Be sure that there is plenty of space for lawns and gardens. Reserve large areas for football, hockey and parks. Earmark areas for Hindu temples, Mohammedan mosques and Christian churches.

– Jamsetji Nusserwanji Tata

Spread over 64 sq km, the city lies on the southern edge of Jharkhand in the Chhota Nagpur plateau region, bordered by Odisha and West Bengal. It is surrounded by abundant green forests of the Dalma Hills. Sparkling with diversity, the city is home to festivals and landmarks of many faiths that coexist.

Today, Jamshedpur is considered a modern and futuristic city with a high quality of life. This finds resonance in the voices of its citizens according to a survey by AC Nielsen. The survey claimed that the overall satisfaction score among the citizens of Jamshedpur is higher than the global norm and the norm for the Utility Sector in the Asia Pacific region. Its state-of-the-art Information and Communication Technology (ICT) infrastructure enhancing communication and connectivity is an aid to constantly bettering the quality of life of its citizens.

The plant has expanded its product range and improved quality to reach a production capacity of 10 million tonnes today. The growth of the steel plant has spurred the growth of ancillary and service industries, transportation and logistics. While the steel plant still dominates the city's skyline, several transnational corporations have offices and manufacturing units in Jamshedpur.

From the time of driving in the first stake, the Iron and Steel company assumed the functions of a city administrator. Sir Dorabji Tata (chairman in 1904-1932) and the directors collaborated to execute their envisioned blueprint. Within 10 years they had spent nearly 25 lakh rupees, the absence of a mayor or a corporation notwithstanding.

The steady growth of industries and the city brought prosperity and development but sustainability was at the heart of all value creation. The greening of Jamshedpur is intrinsic to its planning, to preserve the environment, maintain ecological balance and reduce the carbon footprint. Among its many achievements is being among the forerunners in the country to lay plastic roads with recycled waste, implement waste segregation and to achieve zero effluence discharge.

With an estimated one-third of the city area under green cover, Jamshedpur is a truly Green City, ringed by lush vegetation. The city has a variety of trees that line the roads, numerous parks, playgrounds and gardens. Jubilee Park in the centre of the city was inaugurated and dedicated to the people of the city by the then Prime Minister Jawaharlal Nehru to commemorate the Golden Jubilee of Tata Steel. Sir Dorabji Tata Park is another landmark with its beautiful landscaping, exotic flowers and tastefully-lit fountains. The Zoological Park, housing lions of African origin – the first Indian zoo to do so – adds to the green cover and biological diversity. There are several water bodies in and around the city, including the ones at Beldih Triangle, Jubilee Park and the man-made lake at Dimna. It was felt in the late 1930s that scarcity of water was a probability and that is why the "Dimna Nala Water Supply Scheme" was initiated to set up the lake. The construction began in February, 1940 and water supply started in four years.

Jamshedpur has the distinction of a high literacy rate of 85.4 percent and is home to around 200 schools, colleges, professional and technical institutions and institutes of excellence, fostering learning from an early age. The city offers its young the best infrastructure and world-class training centres in many fields of sports that nurtures talent, often from the grassroots, many of whom have earned laurels at the national and international levels. Academies offer training in athletics, football, hockey and archery while adventure sports find a special place at the Tata Steel Adventure Foundation started by the first Indian woman Everester, Ms Bachendri Pal.

Department of Posts is pleased to issue a Commemorative Postage Stamp on the Industrial City : Jamshedpur to mark its centenary.

Credits:

Stamp/ FDC/ Brochure/ Cancellation Cachet	:	Smt. Alka Sharma
Text	:	Based on information received from the proponent

डाक विभाग
Department of Posts

औद्योगिक नगर : जमशेदपुर
INDUSTRIAL CITY : JAMSHEDPUR
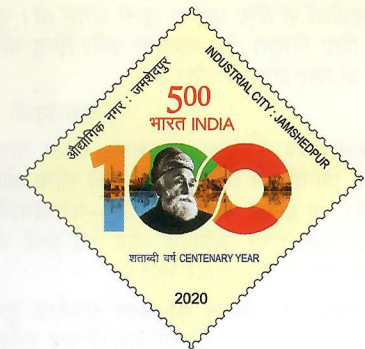
विवरणिका BROCHURE

औद्योगिक नगर : जमशेदपुर

जब लॉर्ड चेम्सफोर्ड ने 1919 में साकची नामक छोटे से गांव का नाम बदल दिया, तो उन्हें इस बात का जरा भी अहसास नहीं था कि वे एक अनुकरणीय विश्व–स्तरीय शहर का सृजन कर रहे हैं जो आज भी संवहनीय शहरी विकास की गति निर्धारित करता है। जमशेदपुर के नामकरण के 100 साल पूरे हो गए हैं और इसे आज भी ऐसे स्थान के रूप में जाना जाता है, जहां भारत के पहले स्टील प्लांट की स्थापना की गई थी। इसके संस्थापक जमशेदजी नसरवानजी टाटा ने एक औद्योगिक और समृद्ध भारत का सपना देखा था। स्टील प्लांट के स्थान को निर्धारित करने से पांच साल पहले, उन्होंने अपने बेटे दोराब को लिखा था कि उनके सपनों का शहर कैसा दिखना चाहिए। उनकी परिकल्पना इस प्रकार थी:

चौड़ी सड़कों के साथ–साथ तेजी से बढ़ने वाले विविध प्रकार के छायादार पेड़ों का लगाया जाना सुनिश्चित करें। सुनिश्चित करें कि लॉन और बगीचों के लिए पर्याप्त खुली जगह हो। फुटबॉल, हॉकी और उद्यानों के लिए विस्तृत क्षेत्र आरक्षित करें। हिन्दू मंदिरों, मस्जिदों और गिरजाघरों के लिए क्षेत्र निर्धारित करें।

– जमशेदजी नसरवानजी टाटा

64 वर्ग किलोमीटर में फैला यह शहर, छोटा नागपुर पठार क्षेत्र में झारखंड के दक्षिणी किनारे पर स्थित है, जिसकी सीमा ओडिशा और पश्चिम बंगाल से लगती है। यह दलमा पहाड़ियों के हरे–भरे जंगलों से घिरा हुआ है। विविधता से परिपूर्ण यह शहर, त्यौहारों और कई धर्मों की स्थली है, जहां विभिन्न समुदायों के लोग मिलजुल कर रहते हैं।

आज, जमशेदपुर को जीवन की उच्च गुणवत्ता युक्त आधुनिक और भविष्य का शहर माना जाता है। ए. सी. नील्सन के एक सर्वेक्षण के अनुसार यह भावना नागरिकों की प्रतिक्रिया में प्रतिध्वनित होती है। सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि जमशेदपुर के नागरिकों का कुल संतुष्टि अंक, वैश्विक मानक और एशिया पैसिफिक क्षेत्र में यूटिलिटी सेक्टर के मानक से अधिक है। इसकी अत्याधुनिक सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) की आधारभूत संरचना, संचार और संपर्क को उन्नत बनाते हुए, अपने नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को लगातार बेहतर बनाने में मदद करती है।

प्लांट ने अपनी उत्पाद श्रेणियों का विस्तार किया है और 1 करोड़ टन की उत्पादन क्षमता तक पहुंचने के लिए गुणवत्ता में सुधार किया है। इस्पात कारखाने की उन्नति ने सहायक और सेवा उद्योगों व परिवहन–रसद के विकास को गति दी है। हालांकि इस्पात कारखाने की अभी भी इस शहर में प्रमुख उपस्थिति है, फिर भी कई अंतरराष्ट्रीय निगमों के कार्यालय और विनिर्माण इकाइयां जमशेदपुर में हैं।

नींव का पत्थर रखने के समय से ही आयरन एंड स्टील कंपनी ने एक शहर के प्रशासकीय कार्यों को अंगीकार किया। सर दोराबजी टाटा (चेयरमैन, 1904–1932) और निदेशकों ने अपनी परिकल्पित रूपरेखा को निष्पादित करने में सहयोग किया। उन्होंने 10 साल के अंदर करीब 25 लाख रूपए खर्च किए, जबकि उस वक्त कोई मेयर या निगम नहीं था।

उद्योगों और शहर के निरंतर विकास से समृद्धि और विकास हुआ, लेकिन संवहनीयता केंद्र में थी। पर्यावरण की रक्षा, पर्यावरण संतुलन और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए जमशेदपुर की हरियाली इसकी योजना के मूल में निहित है। पुनर्चक्रीकृत कचरे के साथ प्लास्टिक की सड़कों का निर्माण, अपशिष्ट पृथक्करण और शून्य अपशिष्ट स्खलन आदि इसकी कई उपलब्धियों में से हैं, जो देश में इसे अग्रणी बनाता है।

हरित आवरण (ग्रीन कवर) के तहत शहर के अनुमानित एक तिहाई क्षेत्र के साथ, जमशेदपुर सही मायने में एक ग्रीन सिटी है, जो हरियाली से घिरा है। सड़कों के किनारे कतारबद्ध विभिन्न प्रकार के पेड़ हैं, अनेक उद्यान, खेल के मैदान और बगीचे हैं। शहर के केंद्र में जुबली पार्क का तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उद्घाटन किया था और टाटा स्टील की स्वर्ण जयंती के अवसर पर इसे शहर के लोगों को समर्पित किया था। सर दोराबजी टाटा पार्क मुख्य आकर्षण का केन्द्र है, जो अपने खूबसूरत भू–दृश्यों, मोहक फूलों और शानदार फव्वारों से युक्त है। जमशेदपुर चिड़ियाघर अफ्रीकी मूल के शेरों वाला पहला भारतीय चिड़ियाघर है, जो हरियाली और जैविक विविधता को बढ़ाता है। शहर और इसके आसपास कई जल निकाय हैं, जिनमें बेल्डीह त्रिकोण, जुबली पार्क और डिमना में मानव निर्मित झील शामिल है। 1930 के दशक के अंत में यह महसूस किया गया कि पानी की कमी हो सकती है और इसलिए झील की स्थापना के लिए 'डिमना नाला जलापूर्ति योजना' शुरू की गई। फरवरी, 1940 में इसका निर्माण शुरू हुआ और चार साल में पानी की आपूर्ति शुरू हो गई।

जमशेदपुर में 85.4 प्रतिशत की उच्च साक्षरता दर है और यहां लगभग 200 स्कूल, कॉलेज, व्यावसायिक व तकनीकी संस्थाएं और उत्कृष्ट संस्थान हैं, जहां कम उम्र से ही ज्ञान अर्जन की प्रक्रिया आरंभ हो जाती है। शहर अपने युवाओं को कई खेलों में सर्वश्रेष्ठ आधारिक संरचना और विश्व स्तरीय प्रशिक्षण केंद्र प्रदान करता है जो अक्सर जमीनी स्तर से प्रतिभाओं का पोषण करते हैं और जिनमें से अनेक ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की है। कई अकादमियां एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी और तीरंदाजी में प्रशिक्षण प्रदान करती हैं, जबकि साहसिक खेल टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन में एक विशेष स्थान रखते हैं, जिसे माउंट एवरेस्ट पर चढने वाली पहली भारतीय महिला पर्वतारोही सुश्री बछेंद्री पाल द्वारा शुरू किया गया था।

"औद्योगिक नगर : जमशेदपुर" की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक स्मारक डाक–टिकट जारी करना डाक विभाग के लिए प्रसन्नता का विषय है।

आभार :

डाक–टिकट / प्रथम दिवस आवरण / विवरणिका / विरूपण कैशे	:	श्रीमती अलका शर्मा
पाठ	:	प्रस्तावक से प्राप्त सामग्री पर आधारित

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500 पैसे
Denomination	:	500 p
मुद्रित डाक टिकटें	:	644000
Stamps Printed	:	644000
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्य ₹ 5.00